

महापुण्या यत्र व्याता 8382. व्यातयशस् R. 1, 19, 25. — 61, 5. 3, 13, 40. 53, 32. 5, 26, 30. Dhṛtās. 68, 14. Rāśa-Tar. 5, 29, 423. BHATT. 6, 97. बुधैः व्यातो भारद्वाजो द्रोणाचार्यं मुनावपि von den Gelehrten gekannt als Lehrer des Droṇa Trik. 3, 3, 86. — 2) caus. a) bekannt machen, verkünden: व्यापयामास रात्रेन्द्र पुत्रो ह्येव ममेति वै MBh. 5, 7403. मृतेति व्यापितं बहिः KATHA. 17, 70. व्यापयेद्भयानि च M. 7, 201. सुवर्णस्तेपकृद्भिर्गो राजानमभिगम्य तु । स्वकर्म व्यापयन्ब्रूयात् 11, 99. Jāgñ. 3, 237. Vid. 77. ननु त्वं पुण्डरीकाक्ष सत्यवाग्भुवि विश्रुतः । यद्वाहिक्रवधं मे ऽद्य न व्यापयसि MBh. 14, 1815. घनानतो व्यापय नः मुकेशि कस्यासि भार्या 3, 15601. पर-गुणकथनैः स्वानुगुणान्व्यापयतः BHART. 2, 59. — b) Etwas an den Tag legen, offenbaren, verrathen: प्रमादालस्यज्ञानानि व्यापितानि निज्ञानि तैः Pāṇ-āt. 1, 43. घनादेयस्य चादानाददेयस्य च वर्जनात् । दिव्यं व्याप्यते राज्ञः M. 8, 171. Jmd verrathen, angeben: प्रुक्तेन व्यापितः MBh. 13, 4035. — c) über Jmd (acc.) Etwas bekannt machen, über Jmd berichten, von Jmd Etwas aussagen: व्यापय नः मुकेशि परं परं पाण्डवानां रथस्थम् MBh. 3, 15697. आचार्यो ऽयं त्रिकालज्ञ इति व्याजमुहुं च तम् । शिष्यास्ते व्यापयामासुः KATHA. 19, 76. — d) Jmd oder Etwas bekannt machen, rühmen, preisen: एवं स भगवान्वैव्यः व्यापितो गुणकर्मभिः Bhāg. P. 4, 17, 1. मि-ध्या व्यापितविक्रमः R. 3, 27, 19. — Vgl. चत्.

— अति 1) überschauen: वृक्षा समुद्रमर्त्यव्यत् AV. 10, 10, 15. — 2) über-
sehen, übergehen, hintansetzen: मा नो गत्यैर्भिरिति व्यतम् RV. 8, 62, 15.
विद्यां श्रयो विपश्चितो ऽति व्यः 34, 9. मा नो अति व्य आ गाह् 1, 4, 3.
— 3) in Stich lassen, überlassen: मा नो मर्ताय रिषेवै वाजिनीवमू परो
हृदावति व्यतम् RV. 8, 22, 14.

— अनु erschauen, sehen: अन्वगिरुषसामग्र्यमव्यत् VS. 11, 17. सुगो अ-
स्मभ्यं पथो अनु व्यः Kāṇ. 4. अनु पूर्वाणि चव्यधुर्गुणानि RV. 7, 70, 4. —
Vgl. अनुव्यातर, अनुव्याति.

— अन्तर entziehen, vorenthalten; verbergen: अन्तरि व्यो जनानामर्प्यो
वेदो अदाश्रुयाम् RV. 1, 81, 9. अन्तरव्यङ्ग्ये अस्व धेने 5, 30, 9.

— अभि 1) erschauen, erblicken, gewahr werden: कदा मूकिकं सुमनो
अभि व्यम् RV. 7, 86, 2. यदाजिमयव्यर्धः 4, 24, 8. अभिव्याप्य तं तिगितेन
विध्य 2, 30, 9. 1. 133, 5. — अभिव्यात bekunnt geworden: पुण्यमेतदभिव्या-
तं त्रिषु लोकेषु MBh. 13, 4644. अभिव्यातदोषः Jāgñ. 3, 301. — 2) gnä-
dig ansehen; in Obhut nehmen: अभि व्यः पूषन्पतनासु नस्वम् RV. 6, 48,
19. अभि प्रयासि मुधितानि हि व्यः 15, 15. 10, 33, 2. नमः पितृभ्यो अभि
ये नो अख्यन् TS. 3, 2, 3. — caus. bekannt machen: तेषां दोषानभिव्या-
प्य M. 9, 262. 8, 205. — Vgl. अभिव्या, अभिव्यातर.

— अव 1) herabschauen: अव हि व्यताधि कूलोदिव स्पर्शः RV. 8, 47,
11. — 2) erblicken, gewahr werden: यदावाव्यच्चमसान् RV. 4, 164, 4. यदा-
वाव्यत्समरणमृधावत् 10, 27, 3. तं तै दुश्चता मार्वाव्यत् TS. 3, 2, 10, 2. 5, 1.
— caus. ansehen lassen Çat. Br. 1, 3, 4, 26.

— आ 1) anschauen (?): आ पृथेवं तुमति पृथो अख्यदेवानां यजन्तिमा-
त्युय RV. 4, 2, 18. — 2) zählen, aufzählen; aussagen: तदेकं सन्नेधाव्या-
यते Çat. Br. 10, 4, 2, 4. देवज्ञातानि गाणश आख्यायते 14, 4, 2, 24. 9, 1, 4,
44. Hierher auch अतमो (superl. von आ) व्यायते 10, 1, 2, 5. — 3) erzäh-
len, ansagen, mittheilen: आख्यानमाख्यास्यन् Çat. Br. 13, 4, 2, 2. 14, 9,
4, 33. आचव्युः, आख्यास्यति — इतिहासम् MBh. 1, 26. 656. 3, 16899.
BENF. Chr. 9, 37. 34, 19. 58, 11. Anā. 3, 8. Matsjop. 56. N. 12, 99. आख्या-

हि मे को भवानुययः BHAG. 11, 31. 18, 63. रामाय प्रियमाख्यातुम् R. 1, 1,
75. 9, 1. 18, 13. 44, 63. 77, 27. 2, 16, 5. 3, 13, 38. 4, 3, 16. 61, 30. 6, 97, 23.
Pāṇāt. II. 49. IV. 16. 72, 16. 176, 11. Hit. 27, 9. Megh. 98. Ragh. 12, 42.
91. सर्वतो वार्तामाख्यज्ञो न संततिम् 15, 41. Vet. 32, 15. med.: सा ते ऽहं
दुःखमाख्यास्ये MBh. 3, 520. 8415. R. 6, 8, 28. anzeigen, angeben: घना-
व्याय दददोषं दाद्य उत्तमसाहसम् wer ein Mädchen zur Ehe giebt, ohne
den Fehler, welchen sie hat, angezeigt zu haben Jāgñ. 1, 66. 2, 65. M. 8,
224. 9, 73. पन्थानं हि ममानीक्षणमाख्यासि MBh. 3, 2330. 11336. यथाव्या-
तपयं गतः Daç. 2, 3. अनाव्यात nicht angegeben, nicht angezeigt Kāṭj.
Çr. 5, 5, 9. Jmd anmelden; Jmd oder Etwas anzeigen, ankündigen: पि-
तुराख्याहि माम् R. 2, 34, 1. 72, 32. केनाहं तवाव्यातः MBh. 14, 144. म-
त्युर्म पत्युराख्यातो नारदेन 3, 16894. संततिरिहं तवाव्याति भविष्यच्छुम्
R. 5, 64, 20. दयार्द्रभावमाख्यातमत्तः करणैर्विशङ्कैः Ragh. 2, 11. आख्यात =
भाषित AK. 3, 2, 57. Trik. 3, 3, 149. H. an. 3, 244. MED. I. 87. — 4) be-
nennen, Jmd oder Etwas als Etwas bezeichnen; mit zwei acc.: सप्तमा-
भोपगीतं त्वाम् — आचव्युः Ragh. 10, 22. pass. Çat. Br. 10, 5, 4, 4. 14, 4,
3, 32. भवान् हि ज्ञानविज्ञानसंपन्नः सर्वविन्मम । आख्यातः शरभङ्गेण R. 3,
11, 12. विनाशस्तु चन्द्रस्य य आख्यातो महामुरः MBh. 1, 2674. सेवा अच-
तिराख्याता M. 4, 6. Śāṅkhjak. 5. Citat beim Sch. zu Çāṅ. 80. — caus.
1) act. bekannt machen, verkünden: दोषमाख्यापयसि MBh. 1, 7485. की-
र्तिश्चाख्यापिता नृषु 3, 11285. — 2) med. sich erzählen lassen: आख्या-
नम् Ait. Br. 7, 18. Çāṅkh. Çr. 15, 27, 15. 19. — Vgl. अव्या fgg., आचि-
ख्यासा.

— अन्वा der Reihe nach aufzählen: दश मातृदंश पितृनित्यन्वाख्याय
Līṭj. 9, 2, 5. — Vgl. अन्वाख्यान.

— अभ्या, partic. अभ्याख्यात beschuldigt, verleumdet (nach Çāṅk.)
Taitt. Up. 1, 11, 4 (vgl. Ind. St. 2, 216). Kauç. 46. — Vgl. अभ्याख्यान.

— उदा laut aufzählen: दश वीर्याण्युदाख्याय Çat. Br. 3, 3, 3, 4.

— उपा in Bezug auf Etwas (acc.) erzählen, berichten: यदुताहं त-
या पृष्ठे वैराज्जातपुरुषादिदम् । यदासीत्तदुपाख्यास्ये प्रश्नानन्यांश्च कृत्स्नशः ॥
Bhāg. P. 2, 9, 45. — Vgl. उपाव्य, उपाख्यान.

— प्रत्या 1) einzeln ansagen: प्रत्याख्यायं देवताभ्य आकृतीर्बुकोति
Çat. Br. 13, 3, 4, 1. — 2) Jmd zurückweisen, abweisen: को हि त्वं बुव-
त्तमर्हति प्रत्याख्यातुम् Çat. Br. 14, 9, 2, 11. MBh. 1, 3271. यदि त्वं भान्ना-
नो मां प्रत्याख्यास्यसि 3, 2163. 2573. 16192. 16701. 17065. 4, 344. 14, 135.
1607. 1618. 1619. BENF. Chr. 14, 26. R. 1, 57, 13. 17. 38, 2. 66, 20. 3, 34,
21. 22. Bhāg. P. 9, 18, 41. 42. — 3) Etwas zurückweisen, ablehnen, ver-
weigern: अनभिप्रेतमापन्नः प्रत्याख्यातुमनीश्वरः Bhāg. P. 3, 31, 25. कथं नु
मद्विधो नाथा लोकेशैरभियाचितम् । प्रत्याख्यास्यति 6, 7, 35. — 4) von sich
abweisen, läugnen Daçak. in BENF. Chr. 192, 13. BENF.: widerlegen. —
5) absagen, untersagen: उत्सवः प्रत्याख्यातः Çāṅ. 79, 23. — 6) zurück-
weisen so v. a. sich nicht nahe kommen lassen, übertreffen: 'प्रत्याख्या-
तविशेषकं कुरवकं श्यामावदतारूपाम् Mālav. 40. — 7) zurückweisen,
verwerfen: वार्तिककारस्तु न ह्यदेरित्यादि प्रत्याचव्यौ Siddh. K. zu P. 7,
3, 59 und 6, 1, 135. — 8) begegnen, bekämpfen (mit Heilmitteln): दोषा-
न् Suçr. 1, 9, 1. 11. 260, 6. 2, 100, 3. — प्रत्याख्यात = निराकृत u. s. w.
AK. 3, 1, 40. H. 1473. — Vgl. प्रत्याख्यातर fgg.

— व्या 1) auseinandersetzen, erklären, erläutern Çat. Br. 1, 6, 2, 7.